महोदय, मैं मानिकपुर जंक्शन से नई दिल्ली वाया चित्रकूट, बाँदा, खैरादा जंक्शन, सुमेरपुर, हमीरपुर रोड, घाटमपुर, भीमसेन, कानपुर सैंट्रल से होते हुए एक सुपरफास्ट ट्रेन प्रतिदिन चलाए जाने के संबंध में आपसे अनुरोध करना चाहता हूं।

माननीय उपसभापति जी, मैं उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड के पिछड़े जनपद हमीरपुर का रहने वाला हूं। जनपद हमीरपुर अपनी स्थापना के 200 वर्ष पूर्ण कर चुका है, लेकिन आज भी रेलवे परिवहन से संबंधित तमाम समस्याओं से ग्रसित है। जनपद हमीरपुर में एकमात्र रेलवे ट्रैक मानिकपुर जंक्शन से कानपुर सैंट्रल के मध्य स्थित है। इसमें बहुत सीमित ट्रेन्स का आवागमन है। इतना ही नहीं जनपद हमीरपुर से निकलने वाले एकमात्र रेलवे ट्रैक खैरादा जंक्शन, सुमेरपुर, हमीरपुर रोड, घाटमपुर, भीमसेन, कानपुर सैंट्रल से होते हुए नई दिल्ली के लिए कोई भी ट्रेन उपलब्ध नहीं है।

संत तुलसीदास जी की तपोभूमि, चित्रकूट धाम सनातन धर्म की आस्था का प्रतीक है, धार्मिक स्थल है। यहाँ देश भर से लाखों की संख्या में श्रद्धालु भगवान कामतानाथ जी के दर्शन के लिए आते-जाते हैं। इस रूट से प्रतिदिन एक सुपरफास्ट ट्रेन चलने से श्रद्धालुओं को यातायात की कठिनाइयों से निजात मिलेगी। अतः सदन के माध्यम से, मैं माननीय रेल मंत्री जी से आग्रह करता हूँ कि उक्त रूट पर नई सुपरफास्ट ट्रेन चलाने का कष्ट करें, बहुत-बहुत धन्यवाद।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shri Baburam Nishad: Dr. Anil Sukhdeorao Bonde (Maharashtra), Shrimati S. Phangnon Konyak (Nagaland), Shri Banshilal Gurjar (Madhya Pradesh), Dr. Kalpana Saini (Uttarakhand), Shri Naresh Bansal (Uttarakhand), Shrimati Geeta alias Chandraprabha (Uttar Pradesh), Shrimati Sangeeta Yadav (Uttar Pradesh), Shrimati Seema Dwivedi (Uttar Pradesh), Shri Amar Pal Maurya (Uttar Pradesh), Shri Brij Lal (Uttar Pradesh), Shri Aditya Prasad (Jharkhand), Shri Babubhai Jesangbhai Desai (Gujarat), Shri Ram Chander Jangra (Haryana), Shri Devendra Pratap Singh (Chhattisgarh), Shri Dhananjay Bhimrao Mahadik (Maharashtra), Shri S. Selvaganabathy (Puducherry), Shri Niranjan Bishi (Odisha), Shri Shambhu Sharan Patel (Bihar) and Dr. Sasmit Patra (Odisha).

माननीय श्री मिथलेश कुमार जी। 'Demand for extending the benefit of Ayushman Bharat Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana (Ayushman Card) to people Below Poverty Line.'

Demand to extend the benefit of the Ayushman Bharat Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana (Ayushman Card) to the people Below the Poverty Line

श्री मिथलेश कुमार (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आयुष्मान भारत - प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (आयुष्मान कार्ड) की तरफ आकृष्ट कराना चाहता हूँ, जिसमें ऐसे लोग, जिनके परिवार में छः सदस्य से कम, अर्थात एक परिवार में चार सदस्य ही हैं,

उनको आयुष्मान भारत - प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का लाभ नहीं मिल रहा है। ऐसे में, जो गरीब परिवार, विधवा महिलाएं हैं, वे केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना, जिसमें पाँच लाख रुपये तक निःशुल्क स्वास्थ्य की व्यवस्था की गई है, जिससे वे उससे वंचित हो रहे हैं। माननीय प्रधान मंत्री जी ने हर गरीब को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए 2018 में आयुष्मान भारत - प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना प्रारंभ की थी, जिसके तहत गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन करने वाले परिवारों को इस योजना में आच्छादित किया गया था। इसमें यह भी निर्देश किया गया था कि जिन लोगों का नाम वर्ष 2011 की जनगणना में गरीबी की रेखा के नीचे जीवनयापन करने वाले परिवारों के रूप में शामिल है, उन्हीं पात्र परिवारों को ही योजना का लाभ दिया जाएगा। सरकार की ओर जारी इस गाइडलाइन के चलते देश के करोड़ों परिवार योजना का लाभ पाने से वंचित रह गए थे। इसे देखते हुए, एक बार फिर से नवीन आयुष्मान भारत - प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना 02 लागू की गई है। इस योजना को चलाने के लिए, अधिक-से-अधिक लोगों का आयुष्मान कार्ड जारी करने के लिए सरकार युद्ध स्तर पर प्रयास कर रही है, लेकिन उन लोगों को समस्या आ रही है, जिनके परिवार में छः से कम सदस्य हैं। अतः सदन के माध्यम से, माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी से आग्रह करना चाहता हूँ कि जनहित में आयुष्मान भारत - प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का लाभ गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन करने वाले सभी पात्र परिवारों को दिया जाए, बहुत-बहुत धन्यवाद।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shri Mithlesh Kumar: Shri Sanjeev Arora (Punjab), Shri Sant Balbir Singh (Punjab), Shri Dhananjay Bhimrao Mahadik (Maharashtra), Shri R. Girirajan (Tamil Nadu), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra) and Dr. Sasmit Patra (Odisha).

Hon. Dr. Dinesh Sharma, 'Demand for conservation, propagation and restoration of Sanskrit language in the country.'

Demand for conservation, propagation and restoration of Sanskrit language in the country

डा. दिनेश शर्मा (उत्तर प्रदेश) : माननीय सभापति महोदय, संस्कृत भाषा के संरक्षण, प्रचार-प्रसार, पुनर्स्थापन एवं अनिवार्य विषय बनाए जाने वाले विषय को उठाने की अनुमति देने के लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूँ। मैं सदन का ध्यान एक महत्वपूर्ण विषय की ओर आकृष्ट करना चाहूँगा। संस्कृत भाषा की महत्ता और उसकी वर्तमान स्थिति पर विचार रखते हुए, मैं इस भाषा के पुनर्स्थापना की अति आवश्यकता पर बल देना चाहता हूँ। संस्कृत भाषा हमारी सांस्कृतिक धरोहर और अद्वितीय स्त्रोत है। संस्कृत भाषा का साहित्य अत्यंत समृद्ध और विविधतापूर्ण है। वेद, उपनिषद, महाभारत, रामायण, योगशोध, आयुर्वेद, वास्तुशास्त्र, खगोलशास्त्र, गणशास्त्र आदि अनेक ग्रंथ संस्कृत में ही लिखे गए हैं, जिनका अध्ययन आज भी वैज्ञानिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है। ये सभी ग्रंथ हमारे पुरातन ज्ञान और विज्ञान के महत्वपूर्ण स्त्रोत हैं और उनमें निहित ज्ञान आज